



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

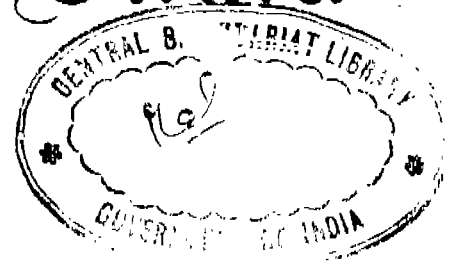
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 190 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 23, 2001/चैत्र 2, 1923

No. 190]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 23, 2001/CHAITRA 2, 1923

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

( उपभोक्ता मामले विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2001

का.आ. 262 (अ).—केन्द्रीय सरकार, उपभोक्ता संरक्षण नियम, 1987 के नियम 3 के उपनियम (1) के साथ पठित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (1986 का 68) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद् के निम्नलिखित सदस्य का नाम अधिसूचित करती है और इस प्रयोजन के लिए भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 392(अ), तारीख 18 अप्रैल, 2000 तथा का.आ. 963(अ), तारीख 31 अक्टूबर, 2000 का निम्नलिखित रूप में संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) उपशीर्ष "नियम 3 के उप नियम (1) के खण्ड (ज) के तहत महिलाओं के प्रतिनिधि" उप-शीर्ष के अन्तर्गत क्र. सं. 110 ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नांकित क्र. सं. और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"110 ग. श्रीमती राजम गणेशन,  
3-5-273, विट्ठलबाड़ी  
नारायनगुडा  
हैदराबाद-500 029.

सदस्य"

[फा. सं. 2(4)/99-सी पी यू]

संतोष नौटियाल, अपर सचिव

टिप्पणी : मुख्य अधिसूचना भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 18 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना का.आ. 392(अ) के द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसको का.आ. 450(अ), तारीख 10 मई, 2000 और का.आ. 696(अ) 26 जुलाई, 2000, का.आ. 759(अ), तारीख 18 अगस्त, 2000, का.आ. 949(अ), तारीख 20 अक्टूबर, 2000 और का.आ. 963(अ), तारीख 31 अक्टूबर, 2000 के द्वारा संशोधित किया गया था।

